मध्य प्रदेश में इंजीनियरी कालेज

2170. **श्री राघवजी:** क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) मध्य प्रदेश में उन इंजीनियरी महाविद्यालयों के नाम क्या हैं, जिन्हें वर्ष 1992 में गैर-सरकारी सोसायटियों द्वारा केन्द्र सरकार से मिले अनुदान से चलाया जा रहा था तथा वे किस तारीख से इस तरह से चलाए जा रहे हैं;

(ख) उक्त में से उन सोसायटियों के नाम क्या हैं, जिन्हें मध्य प्रदेश सरकार ने निलंबित कर दिया था;

(ग) क्या यह सच है कि मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की एक खण्डपीठ ने विदिशा स्थित एस०ए०टी०आई० इंजीनियरी कोलेज का प्रबंध पुनः एक सोसायटी को सौंपने का निर्णय दिया है; और

(घ) यदि हां, तो क्या मध्य प्रदेश सरकार ने उक्त निर्णय को लागू किया है, यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा विभाग में राज्य मंत्री (श्री मुही राम सैकिया): (क) मध्य प्रदेश में ऐसी कोई गैर-सरकारी सोसायटी नहीं है जो एकमात्र केंद्रीय सरकार के अनुदानों से कार्य कर रही हो।

(ख) मध्य प्रदेश सरकार ने महाराजा जीवाजी राव शिक्षा सोसायटी, बिदिशा को निलम्बित कर दिया था।

(ग) जी, हां।

(घ) सोसायटी के सदस्यों की सूची के बारे में कुछ विवाद है। उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार, राज्य सरकार ने सोसायटी के प्रबन्धन के लिए चयन प्रक्रिया शुरू कर दी है।

Proposal to establish a Central University in Gujarat

2171. SHRI AHMED PATEL: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) the total number of Universities functioning in Gujarat as on date, with details of each Universities and Courses available therein;

(b) whether Government have any proposal to establish a Central University in the State to promote Gujarati language and culture therein; and

(c) if so, the details thereof and if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF EDUCATION IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI MUHI RAM SAIKIA): (a) The information is being collected and will be laid on the Table of the House.

(b) No, Sir.

(c) National Policy on Education-1986, as revised in 1992, lays down that, in view of the need to effect an all round improvement in the institutions, it is proposed that, in the near future, the main emphasis will be on the consolidation of, and expansion of facilities in, the existing institutions.

Newsitem on Closure of Kendriya Vidyalayas

2172. SHRI SURYABHAN PATIL VAHADANE: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn towards a newsitem captioned, "Agle Satra Mein Band Ho Sakte Hain 65 Kendriya Vidyalaya" published in "Jansatta", dated the 6th December, 1996;

(b) if so, the details thereof;

(c) the steps being taken to save the future of students and staff of these schools; and

(d) the reasons for closures of these schools?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF EDUCATION IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI MUHI RAM SAIKIA): (a) Yes, Sir.

(b) to (d) The news report about closure of 65 Kendriya Vidyalayas from the next academic year is not correct. However, the Kendriya Vidyalaya Sangathan may be compelled to close